SET-4 Objective (1)

Page No.:
Date: / /

(1) द्वितीय विश्व युद्ध के पहले चीन को एशिया का रोगी कहा जाता था।

(2) 19वीं सदी में चीन के बारे में एक चेतावनी देते हुए Napoleon Bonaparte ने कहा था " वहाँ एक दैत्य सो रहा है। उसको सोने दो, क्योंकि जब वह उठेगा तो दुनिया को हिला देगा।"

(3) चीनी विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण तत्व उग्र ~~राष्ट्रवाद~~ राष्ट्रवाद है।

(4) चीनी शासक चंगेजखान की विस्तारवादी नीति के समर्थक है। चीन ने इस नीति का प्रयोग भारत के विरुद्ध भी किया है।

(5) चीनी साम्यवादी नेता डेंग शिआओपिंग जो 1978 से 1989 तक सत्तासीन थे, ने चीन को अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में एक बड़ा मुकाम दिया। उन्होंने क्रान्तिकारी एवं दूरगामी परिवर्तन किये।

(6) चीनी विदेश नीति को चार चरणों में विभाजित करके हम उसका अध्ययन कर सकते हैं :-

(i) उग्र नीति का युग - 1949-1953

(ii) शान्तिपूर्ण सह-अस्तित्व की नीति - 1954-1957

(iii) आक्रामक युद्धवादी नीति का युग - 1957-1969

(iv) युआन कूटनीति - 1969 से अब तक

(7) साम्यवादी चीन 1971 में सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बना। 22 वर्षों तक सं० रा० अमेरिका के विरोध के कारण चीन को सुरक्षा परिषद से बाहर रहना पड़ा।

Scanned with CamScanner